



सिडबी और जन उद्यमिता के लिए वैश्विक गठबंधन (जी. ए. एम. ई)

छोटे एनबीएफसी के लिए पहला समूह लॉन्च

एनजीएपी का उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों के लिए वित्त तक पहुंच बढ़ाना है।

SIDBI

and

GLOBAL ALLIANCE FOR MASS ENTREPRENEURSHIP (G.A.M.E)

LAUNCH THE FIRST EVER COHORT FOR SMALLER NBFCs ACCELERATE & GROW

The NGAP aimed to increase Access to Finance for micro enterprises.

राष्ट्रीय; सोमवार, 16 अक्टूबर, 2023: सिडबी और ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (गेम) ने एनबीएफसी ग्रोथ एक्सेलेरेटर प्रोग्राम (एनजीएपी) के लिए पहले समूह को शामिल किया है। यह कार्यक्रम क्यूरेटेड हस्तक्षेपों के माध्यम से छोटे एनबीएफसी के क्षमता निर्माण में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उन्हें समग्र मूल्यांकन मापदंडों के आधार पर संस्थागत वित्त पोषण के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाया जा सके।

National; Monday, October 16, 2023: SIDBI & Global Alliance for Mass Entrepreneurship (GAME) have onboarded the first cohort for the NBFC Growth Accelerator Program (NGAP). This program is designed to aid capacity building of small NBFCs through curated interventions, enabling them to apply for institutional funding based on holistic evaluation parameters.

पांच महीने के गहन कार्यक्रम में छोटे/कम रेटिंग वाले एनबीएफसी के जोखिम, संचालन, शासन और प्रौद्योगिकी पहलुओं पर डोमेन विशेषज्ञों से हैंडहोल्डिंग और मेंटरशिप शामिल है। यह इन-पर्सन, वर्चुअल और व्यक्तिगत सत्रों के मिश्रण के माध्यम से सहकर्म सीखने, समीक्षाओं और नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिए संरचित है।

The five-month intense program includes handholding and mentorship from domain experts on Risk, Operations, Governance, and Technology aspects of the smaller / lower rated NBFCs. It is structured to encourage and facilitate peer learning, reviews, and networking through a blend of in-person, virtual and individualized sessions.



एनजीएपी (www.ngapindia.com) सिडबी और गेम द्वारा छोटी/कम रेटिंग वाली एनबीएफसी के क्षमता निर्माण को संबोधित करने के लिए एक पहल है जो उन्हें प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर संस्थागत ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी। जबकि ऐसी एनबीएफसी दूरदराज के भौगोलिक क्षेत्रों में नए ऋण और सूक्ष्म उद्यमों को निधि देने के लिए सबसे उपयुक्त हैं, उन्हें एमएसएमई क्षेत्र के सतत विकास के लिए उचित लागत पर पर्याप्त धन की आवश्यकता है।

NGAP (www.ngapindia.com) is an initiative by SIDBI and GAME to address the capacity building of smaller/ lower rated NBFCs which would enable them to access institutional credit at competitive interest rates. While such NBFCs are best suited to fund new to credit and micro enterprises in remote geographies, they need adequate funds at a reasonable cost for sustainable development of MSME sector.

इस पहल के बारे में बोलते हुए, **सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री शिवसुब्रमण्यम रमन** ने कहा, "एनबीएफसी पिरामिड व्यवसायों के निचले हिस्से तक पहुंचने की उनकी इच्छा और क्षमता के कारण देश के आर्थिक विकास का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण साधन हैं, विशेष रूप से क्रेडिट की कमी वाले भौगोलिक क्षेत्रों में, अभिनव और फुर्तीले क्रेडिट डिलीवरी मॉडल को अपनाने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की समझ। सिडबी ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी कई अभिनव योजनाओं के माध्यम से एनबीएफसी की अधिक विविध श्रेणी तक पहुंचकर एनबीएफसी क्षेत्र के साथ अपनी भागीदारी को बढ़ाया है। बैंक ने अतीत में एमएफआई क्षेत्र के लिए संस्थागत निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाई है और अब सक्रिय रूप से छोटे/कम रेटिंग वाले एनबीएफसी खिलाड़ियों के क्षमता निर्माण में संलग्न होने की कोशिश कर रहा है ताकि उन्हें बड़ी भूमिका निभाने के लिए मजबूत संस्थाओं में बदल दिया जा सके। एनजीएपी इस दिशा में की गई पहलों में से एक है। उन्हें विश्वास है कि बड़ी संख्या में प्रतिभागी इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे और अपने परिचालन मानकों तथा संस्थागत वित्त पोषण तक पहुंच में सुधार कर सकेंगे, जिससे एमएसएमई क्षेत्र में ऋण का प्रवाह बढ़ेगा।

Speaking about the initiative, **Mr. Sivasubramanian Ramann, Chairman & Managing Director, SIDBI**, said "NBFCs are an important vehicle in supporting the economic growth of the country due to their willingness and ability to reach bottom of the pyramid businesses, especially in credit deficient geographies, adoption of innovative and nimble credit delivery models and understanding of the local ecosystem. SIDBI has, over the years, augmented its engagement with NBFC sector by reaching out to a more diversified category of NBFCs through its multiple innovative schemes. The Bank has, in the past, played a salient role in Institutional building for the MFI sector and is now actively looking to engage in the capacity building of smaller/ lower rated NBFC players to transform them into strong entities for taking up larger role. The NGAP is one of the initiatives in this direction. He was confident that a significant number of



participants would be able to benefit from the programme and improve their operating parameters and access to institutional funding, which in turn will lead to increased flow of credit to MSME sector.”

एनजीएपी के डिजाइन के बारे में बताते हुए, **ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप के संस्थापक श्री रवि वेंकटेशन** ने कहा, "हमारा उद्देश्य एमएसएमई-केंद्रित एनबीएफसी को औपचारिक वित्त पोषण और भविष्य के लिए तैयार होने के लिए योग्य बनाने के लिए एक प्रतिकृति मॉडल तैयार करना था। एनजीएपी भाग लेने वाली एनबीएफसी को कार्यक्रम के बाद अपने मापदंडों में सुधार करने और वित्त पोषण के लिए आवेदन करने के लिए बेहतर स्थिति में होने में मदद करता है। हमें उम्मीद है कि कार्यक्रम के बाद कोहोर्ट के 80% को धन प्राप्त होगा। अगले एक साल में, हमारे पास उधार देने योग्य एनबीएफसी का एक बड़ा पूल होगा जो बड़ी संख्या में एमएसएमई की सेवा कर सकते हैं। इसका उद्देश्य 3 वर्षों में 100+ एनबीएफसी की क्षमताओं का निर्माण करना है, जिससे एमएसएमई को ऋण का प्रवाह बढ़ सके।

Explaining the design of NGAP, **Mr Ravi Venkatesan, Founder, Global Alliance for Mass Entrepreneurship**, said, “Our objective was to design a replicable model to enable MSME-focused NBFCs to become eligible for formal funding and future-ready. NGAP helps participating NBFCs to improve their parameters post the program and be in a better position to apply for funding. We are hopeful that at least 80% of the cohort will receive funding post the program. Over the next year, we will have a larger pool of lendable NBFCs who can service a large number of MSMEs. The aim is to build capacities of 100+ NBFCs in 3 years thereby enhancing the flow of credit to MSMEs.”

श्री उमेश रेवणकर, अध्यक्ष, एफआईडीसी और कार्यकारी उपाध्यक्ष- श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने इस अनूठे कार्यक्रम की संकल्पना में सिडबी और गेम की पहल की सराहना की, जो बड़ी संख्या में एमएसएमई केंद्रित एनबीएफसी को अपनी आंतरिक जोखिम प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ाने, कॉर्पोरेट प्रशासन में सुधार करने और व्यवसाय के लिए उपयुक्त तकनीक अपनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने महसूस किया कि इससे सूक्ष्म उद्यमों को ऋण के प्रवाह को बढ़ाने के लिए उन्हें अधिक भरोसेमंद बनाया जा सकता है।

Shri Umesh Revankar, Chairman, FIDC and Executive Vice Chairman - Shriram Finance Ltd lauded the initiative of SIDBI and GAME in conceptualising this unique program which could help a large number of MSME focused NBFCs enhance their internal risk management systems, improve corporate governance, and adopt appropriate technology for business. This, he felt, could make them more bankable to enhance the flow of credit to micro enterprises.

इस घोषणा के अवसर पर गणमान्य व्यक्ति, फिडीसी के पूर्व अध्यक्ष रमन अग्रवाल, बैंक और एनबीएफसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



Present at the announcement were dignitaries Raman Agarwal ex-Chairman FIDC, senior officials of Bank and NBFCs.

अधिक जानकारी के लिए, कृपया [एनजीएपी इंडिया](#) या ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप पर [जाएं](#), या [इस तक पहुंचें](#):

- संजना राव, ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप, +91 88978 27214
- सबा गुप्ता, काउंसलर, वन सोर्स, +91 96541 22432

For further details, please visit [NGAP India](#) or [Global Alliance for Mass Entrepreneurship](#), or reach out to:

- Sanjana Rao, Global Alliance for Mass Entrepreneurship, +91 88978 27214
- Saba Gupta, Counsellor, One Source, +91 96541 22432

सिडबी के बारे में:

1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वह पारंपरिक, घरेलू छोटे उद्यमी, निचले स्तर के उद्यमी हों या उच्च अंत ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकास त्मक कार्यों के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के जीवन को छुआ है। सिडबी 2.0 समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख जुड़ाव की दृष्टि रखता है।

अधिक जानने के लिए, देखें: <https://www.sidbi.in>

ABOUT SIDBI:

Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>

ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप के बारे में: गेम का मिशन भारत-व्यापी उद्यमशीलता आंदोलन और मौजूदा और नए उद्यमों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियों को उत्प्रेरित करना है, जिसके परिणामस्वरूप 2030 तक 50 मिलियन नई नौकरियां पैदा होंगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नए व्यवसायों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत महिलाओं के स्वामित्व में है और इसी तरह की चुनौतियों का सामना करने वाले दुनिया



के अन्य हिस्सों में इसी तरह के आंदोलनों को प्रेरित करने और समर्थन करने की उम्मीद है। गेम जूनियर अचीवमेंट इंडिया सर्विसेज के तहत एक परियोजना के रूप में काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था है। अधिक जानकारी के लिए, देखें: <https://massentrepreneurship.org/>

ABOUT GLOBAL ALLIANCE FOR MASS ENTREPRENEURSHIP: GAME's mission is to catalyse an India-wide entrepreneurial movement and favourable conditions for the growth of existing and new enterprises, resulting in 50 million new jobs by 2030. It aims to ensure that a significant percentage of new businesses are women-owned and hope to inspire and support similar movements in other parts of the world facing similar challenges. GAME is a non-profit operating as a project under Junior Achievement India Services. For more information, visit: <https://massentrepreneurship.org/>



